संतरे के बगीचे से 5 लाख

विष्णुप्रकाश डांगी
गांव: खेजरपुर, जिला: झालावाड़ (राजस्थान)
मोबाइल: 09928556795

इस किसान को संतरे की खेती इस कदर भायी हुई है कि बगीचा बूढ़ा होने से पूर्व ही नया बगीचा तैयार कर लेता है। ताकि, आय का ग्राफ नीचे नहीं आए। संतरे की खेती से सालाना 4-5 लाख रूपए की आमदनी लेने वाला यह किसान है विष्णुप्रकाश डांगी। जो साढ़े सात बीघा क्षेत्र में संतरे की खेती कर रहा है। साथ ही, मसाला फसलों के उत्पादन से भी अच्छा लाभ कमा रहा है।

किसान विष्णु प्रकाश बाग में लगे 5 साल पुराने संतरे के पेड़ो से सालाना 4-5 लाख रूपए की आमदनी ले रहा है। साथ ही, दूसरे किसानों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना है। पिड़ावा तहसील क्षेत्र के खेजरपुर गांव से ताल्लुक रखने वाला यह किसान महज मिड़िल पास है। स्कूल छोडऩे के बाद से खेती से जुड़ा हुआ है। आय बढ़ाने के लिए दो दशक पूर्व ढ़ाई बीघा क्षेत्र में संतरे का बगीचा लगाया। जो अब ज्यादा उपज नहीं दे रहा है। आय का ग्राफ नीचे आए, इससे पूर्व ही किसान ने 5 बीघा क्षेत्र में संतरे का नया बगीचा स्थापित कर लिया। इससे अब अच्छी आय हो रही है। किसान का कहना हे कि पुराने बगीचे के अनुपजाऊ हो रहे पौधो को हटाकर नये पौधों का रोपण कर रहा हूॅ। गौरतलब है कि इस किसान के पास 17 बीघा कृषि भूमि है। अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि खेती कल तक सोचने को मजबूर करती थी। लेकिन, अब खेती कुछ नया करने को प्रोत्साहित कर रही है। इस पर फसलों का उत्पादन कर सालाना 7-8 लाख रूपए की आय ले रहा है। खेती से जुडऩे के कई वर्षो तक में भी परम्परागत फसलों का उत्पादन लेता रहा। लेकिन, कृषि वैज्ञानिकों के सम्पर्क में आने के बाद से

खेती के तौर-तरीकों में बदलाव लाना शुरू किया। इससे धीरे-धीरे आय का ग्राफ बढ़ता गया। यह संभव हुआ है वैज्ञानिक विधि से खेती करने और उन्नत कृषि तकनीक अपनाने से। हर साल आय का ग्राफ बढ़ रहा है। परम्परागत फसल में गेहूं, सोयाबीन, मक्का और मूंगफली का उत्पादन ले रहा हूँ।

ऐसे बढ़ी आमदनी

तीन साल पहले संतरे के पेड़ो से उत्पादन मिलना शुरू हुआ। संतरे के खरीददार घर बैठे ही आ जाते है। मौसम साथ दे तो पौधो पर अच्छा फलाव आता है। संतरे की खेती में आय का सारा दारोमदार मौसम पर रहता है। औसतन 4-5 लाख रूपए की आय हो जाती है। संतरे के जोखिम को पाटने के लिए सब्जी की खेती से जुड़ा। 6 बीघा क्षेत्र में प्याज और 3 बीघा क्षेत्र में लहसुन फसल का उत्पादन करता हूँ। इसके अलावा मौसमी सब्जी फसल का उत्पादन भी लेता हूँ। सालाना 2 लाख रूपए की आय सब्जी उत्पादन से हो जाती है।

मसाला बने लाभकारी

मसाला फसल में कलौंजी, मेथी ओर धनिया का उत्पादन लेता हूँ। बाजार मांग के आधार पर इन फसलों का उत्पादन करने से यह फसलें कभी घाटे का सौदा साबित नहीं हुई। सालाना 2-3 लाख रूपए की आय इनसे मिल जाती है।

उन्नत पशुपालन

पशुधन में मेरे पास 5 भैंस है। पशुधन का आवास गृह वैज्ञानिक तरीके से तैयार किया हुआ है। प्रतिदिन 20 किलों दुग्ध का उत्पादन मिल रहा है। दुग्ध का विपणन डेयरी को 25 रूपए प्रति लीटर की दर से कर रहा हूँ। इससे प्रतिमाह 7-8 हजार रूपए का शुद्ध मुनाफा मिल रहा है।

साभार हलधर टाइम्स। वर्ष 12। अंक 34। 26 जून-2 जुलाई 2017